Raj Express (Indore), 30th April 2020, Page-2

आईआईटी में कोरोना पर चल रहा अनुसंधान

इंदौर। लॉकडाउन के बीच आईआईटी इंदौर में प्रयोगशालाओं को बंद कर दिया गया है फिर भी अनुसंधान गतिविधियां जारी है। बायोसाइंस, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग काम कर रहे हैं।

चैम्बर 254 एनएम अल्ट्रा वायलेट किरणों का उपयोग व्यक्तिगत वस्तुओं अर्थात मोबाइल फोन, वॉलेट, ड्यूटी बाउंड पुलिस, डॉक्टरों व संबंधित कर्मियों की स्टेरलाइज करने के लिए करेगा। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के संकायों, डॉ. पलानी और डॉ. इंद्रसेन सिंह रियूजेबल फिल्टर और पट्टियों के प्रावधान वाले थ्री डी मुद्रित रियूजेबल मास्क विकसित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। ये थ्री डी प्रिंटिंग फैब्रिक पर की जाती है और इन्हें साफ करने और दोबारा इस्तेमाल करने का प्रावधान होगा। कुछ मुखौटे पहले से ही परीक्षण के प्रयोजनों के लिए मुद्रित किए गए हैं। इसके अलावा समूह एक व्यक्ति के चेहरे की विभिन्न विशेषताओं के आधार पर अनुकूलन मास्क विकसित करने की प्रक्रिया में भी है।

प्रक्रिया पर कर रहे काम : इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की फैकल्टी डॉ. विपुल सिंह, मैकेनिकल इंजीनियरिंग से डॉ. पलानी और कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग से डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव शरीर के तापमान को महसूस करने के लिए आकार शेप मेमोरी अलॉय आधारित ऑप्टिकल तापमान सेंसर के विकास पर काम कर रहे हैं।

इस मिश्र धातु को रोगी के कपड़े में फिट किया जा सकता है और शारीरिक संपर्क या थर्मामीटर या थर्मल स्कैनर के बिना शरीर के तापमान पर निरंतर निगरानी रखी जा सकती है। समूह शरीर के तापमान की निरंतर निगरानी करने और इसे ओर आईओटी सक्षम प्रणाली बनाने के लिए सेंटर के रिसॉल्यूशन को ओर बढ़ाने के लिए प्रक्रिया पर काम कर रहा है ताकि डॉक्टर दूरस्थ स्थानों पर भी मरीज के तापमान की निगरानी कर सकें।